पिछली सरकार ने 5 साल में जितने काम किए उससे अधिक हमने 2 साल में कर दिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बाली विधानसभा क्षेत्र में 110 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

पाली, 25 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, हमारी सरकार राज्य के 200 विधानसभा क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर काम कर रही है तथा हर योजना का लाभ सीधे लाभार्थी तक पहुंच रहा है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि हम सभी मिलकर राजस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं तथा विकसित राजस्थान – विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। शर्मा मंगलवार को पाली जिले के चामुंडेरी राणावतान में बाली विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

- मुख्यमंत्री ने बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, चामुण्डेरी के स्कूल भवन के लोकार्पण पर कहा कि इससे बालिकाओं को घर के नज़दीक शिक्षा सुलभ होगी और आधी आबादी के सशक्तिकरण का माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोनी सीता देवी उम्मेदमल राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, चामुण्डेरी का लोकार्पण कर नव निर्मित विद्यालय भवन के कक्षा-कक्षों का अवलोकन किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में अच्छी बारिश से फसलें लहलहा रही हैं और बांध-तालाब लबालब भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में हुए स्कूल के लोकार्पण से बालिकाओं को अपने घर के नजदीक शिक्षा सुलभ होगी और आधी आबादी के सशक्तिकरण का एक माध्यम बनेगा। इसके साथ ही, नाडोल से सादड़ी एमडीआर रोड का लोकार्पण भी किया गया है।

शर्मा ने कहा कि गत सरकार के समय युवाओं के सपनों को रौंदा गया तथा 19 में से 17 पेपरलीक हुए। हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है। हमारी सरकार ने गत दो वर्षों में जितने काम किए हैं, पूर्ववर्ती सरकार द्वारा पूरे 5 साल में भी उतने काम नहीं किये गये। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 21 माह में पूर्ववर्ती सरकार के 5 साल की तुलना में सवा गुना फार्म पौण्ड, खेतों पर तारबंदी ढ ाई गुना, ढ ाई गुना पशु चिकित्सालय का प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन तथा चार गुना बहुउद्देश्यीय पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन किया।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने सोनी सीता देवी उम्मेदमल राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, चामुण्डेरी का फीता खोलकर लोकार्पण किया। उन्होंने नव निर्मित विद्यालय भवन के कक्षा कक्षों का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सांसद मदन राठौड़, विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत, पाली जिला प्रमुख रश्मि सिंह, महंत महेन्द्रगिरी नाथ एवं नरेश नाथ महाराज सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

बीएसएफ ने पंजाब बॉर्डर पर हेरोइन, बम व ड्रोन पकड़े

जालंधर 25 नवंबर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पिछले 24 घंटों में पंजाब बॉर्डर पर एक पिस्तौल, गोला-बारूद और हेरोइन के 10 पैकेट ज़ब्त किये। इसके अलावा एक असेंबल्ड हेक्साकॉप्टर और दो ड्रोन बरामद किये।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि फाजिल्का के गांव टाहलीवाला में सोमवार को पकड़े गये दो तस्करों के खुलासे के बाद, बीएसएफ के सैनिकों और पंजाब पुलिस ने गांव चक टाहलीवाला में उनके फरार साथी के एक संदिग्ध घर पर जॉइंट रेड की, जिसमें एक पिस्तौल, चार मैगज़ीन, 12 कारतूस और हेरोइन के 10 पैकेट (कुल वज़न- 5.445 किग्रा) बरामद हुए।

- फाज़िल्का के गांव टाहलीवाला में पकड़े गये दो तस्करों से प्राप्त जानकारी के बाद बीएसएफ ने छापा मारा।

सौ लो फ्लोर बसें नहीं चलीं, शहर परिवहन अस्त-व्यस्त

अधिकारियों के प्रयास के बाद भी बगराना डिपो के बस चालक काम पर नहीं लौटे

जयपुर, 25 नवंबर। जेसीटीसीएल की बगराना डिपो की लो-फ्लोर बसों का संचालन संभालने वाली निजी फर्म पारस ट्रेवल्स के ड्राइवर मंगलवार को अचानक हड़ताल पर चले गए। लो फ्लोर बसों के ड्राइवर्स हड़ताल पर जाने से मंगलवार सुबह परिवहन पूरी तरह से गड़बड़ा गया। इसके कारण शहर की 100 लो-फ्लोर बसें सड़क पर नहीं उतरीं, जिससे ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों, स्कूल-कॉलेज स्टूडेंट्स, मरीजों और आम पैसेंजर्स को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान बगराना डिपो के बाहर ड्राइवरों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि पारस ट्रेवल्स फर्म लगातार श्रम कानूनों का उल्लंघन कर रही है।

- बस चालकों का आरोप है कि बगराना डिपो का काम संभालने वाली निजी फर्म पारस ट्रैवल्स लगातार श्रम कानूनों का उल्लंघन कर रही है।

जेसीटीसीएल के चालकों का आरोप है कि उन्हें मेंटेनेंस के बिना खराब बसें चलाने को मजबूर किया जाता है। पारस कंपनी के मालिक और पूर्व ओएसडी वीरेन्द्र वर्मा को घूस देते हुए एसीबी ने गिरफ्तार किया था। लेकिन इसके बाद भी कंपनी पर कोई कड़ा एक्शन नहीं लिया गया। ऐसे में इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। ड्राइवरों ने कहा कि प्रशासन जब तक हमारी 5 सूत्री मांगों को पूरा नहीं करता है। हमारी हड़ताल जारी रहेगी

लो फ्लोर बस के चालकों के हड़ताल पर जाने के बाद बरगराना डिपो की 100 लो-फ्लोर का चक्का जाम हो गया। चालकों के हड़ताल की सूचना मिलने के बाद प्रशासन और जेसीटीसीएल अधिकारी ड्राइवरों से बातचीत कर समझाइश का प्रयास किया। लेकिन वार्ता विफल रही। वहीं टोडी डिपो की बसों का संचालन जारी रहा। टोडी डिपो से बसों के संचालन की जिम्मेदारी दूसरी फर्म के पास है।

दिल्ली में सरकारी व निजी प्रतिष्ठानों में ''वर्क फ्रॉम होम'' लागू

बढ़ते प्रदूषण के कारण केन्द्र सरकार ने 50 प्रतिशत कर्मचारियों को घर से काम करने के आदेश दिये

नयी दिल्ली, 24 नवंबर। दिल्ली में बढ़ ते प्रदूषण के मद्देनजर सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब दिल्ली सरकार के सभी सरकारी एवं निजी प्रतिष्ठानों में 50 प्रतिशत कर्मचारी घर से काम करेंगे।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों के अंतर्गत यह निर्णय लिया गया है। यह निर्देश पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा पांच के अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी में संचालित सभी दिल्ली सरकार के कार्यालयों एवं निजी प्रतिष्ठानों के लिए जारी किया गया।

- इस आदेश से आवश्यक सेवाओं को छूट दी गयी है। जिसमें अस्पताल, फायर ब्रिगेड, सार्वजनिक परिवहन, बिजली, पानी, आपदा प्रबंधन आदि शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सोमवार शाम दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 382 अंक दर्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले रविवार को यह 391 अंक था। आदेश में आवश्यक सेवाओं को छूट प्रदान की गयी है, जिनमें अस्पताल, अन्य सार्वजनिक एवं निजी स्वास्थ्य प्रतिष्ठान, अग्निशमन सेवाएं, सार्वजनिक परिवहन, बिजली, पानी, स्वच्छता और संबंधित नगरपालिका सेवाएं, आपदा प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण समेत, आवश्यक सेवाएं शामिल हैं।

पाकिस्तान के हवाई हमले में 10 अफ़गानी मारे गये

काबुल, 25 नवंबर। अफ़गानिस्तान के पूर्वी इलाके में पाकिस्तानी वायु सेना की बमबारी में दस अफ़गानी नागरिक मारे गये और चार अन्य घायल हो गये।

अफ़गान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान ने सोमवार आधी रात को खोस्त प्रांत के गुरबुज़ ज़िले में बमबारी की । इसमें पांच बच्चों, चार बच्चियों और एक महिला की मौत हो गयी।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी वायु सेना ने सोमवार रात कुनार और पक्तिका प्रांतों पर भी हवाई हमले किये, जिनमें चार नागरिक घायल हो गए। हाल ही में पाकिस्तानी और अफ़गान सेनाओं के बीच सीमा पर झड़पें हुई थीं।

कांग्रेस का संगठन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस से निकाला भी जा चुका है। इसके बावजूद, पीसीसी अध्यक्ष ने उन्हें ज़िला अध्यक्ष बना दिया, यह कहते हुए कि इससे कांग्रेस को नया जीवन मिल सकेगा। हनुमानगढ़ के ज़िला अध्यक्ष मनीष मक्कासर, जिन्हें फिर से नियुक्त किया गया है, पहले आप पार्टी के पदाधिकारी रह चुके हैं और वामपंथी विचारधारा से जुड़े माने जाते हैं। नीम का थाना में जी. एन. घसिया, जो सिर्फ एक साल पहले सरकारी नौकरी से रिटायर हुए हैं, उन्हें ज़िला अध्यक्ष बनाया गया है। दौसा में रामजीलाल औरद पिछले 15 साल से ज़िला अध्यक्ष हैं और उन्हें फिर से उसी पद पर नियुक्त कर दिया गया है। नया खून और ताज़ा सोच का वादा कहाँ गया। डीडवाना के ज़िला अध्यक्ष ज़ाकिर हुसैन पिछले 8 साल से उसी पद पर हैं और उन्हें भी दोबारा नियुक्त कर दिया गया है। अलवर में नए ज़िला अध्यक्ष को पार्टी कार्यकर्ता पहचानते भी नहीं हैं और वह एक पार्टी नेता के बेटे हैं। खैरथल के ज़िला अध्यक्ष के तौर पर भी अलवर के ही निवासी को नियुक्त किया गया है। जोधपुर ज़िले में महिला कोटे को डेली कोटे में एडजस्ट कर दिया गया, जिसे दलितों और उनके प्रतिनिधित्व के मामले में गलत कहा जा रहा है। ऐसे और भी कई उदाहरण सामने आ रहे हैं, जिनसे साफ़ दिखता है कि पूरी प्रक्रिया का मज़ाक बनाया गया है। यह सब राजस्थान के वरिष्ठ नेताओं की मिलीभगत का नतीजा है, ताकि अपने समर्थकों को पद दिला सकें और नए लोगों को आगे न आने दें।

कांग्रेस बिहार में करारी हार की समीक्षा 27 को करेगी

प्रदेश अध्यक्ष, सांसद, प्रभारी तथा सभी कांग्रेस प्रत्याशियों को दिल्ली बुलाया गया

नयी दिल्ली ,25 नवंबर। कांग्रेस को बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद, पटना से लेकर दिल्ली तक पार्टी में सरगर्मी तेज हो गयी है।

इस चुनाव में हार के कारणों की समीक्षा के लिये कांग्रेस आलाकमान ने दिल्ली में बैठक बुलायी है। सूत्रों के अनुसार, 27 नवंबर को कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में दोपहर तीन बजे बैठक बुलायी गयी है। इस बैठक में पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, विधायक दल के पूर्व नेता,राज्य से पार्टी के सांसद, निर्दलीय सांसद पप्पू यादव तथा सभी कांग्रेस प्रत्याशियों को बुलाया गया है।

बैठक में हार की समीक्षा के साथ-साथ राज्य में पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिये आगे की रणनीति पर भी चर्चा होगी। विधानसभा चुनाव में पार्टी को हुए नुकसान को लेकर मंगलवार को नाराज़ नेताओं का एक गुट दिल्ली पहुंचा, जिसने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करने का वक्त मांगा । नाराज नेताओं का गुट हार की ज़िम्मेदारी तय करने की मांग कर रहा है।

- मंगलवार को बिहार के नाराज़ नेताओं का एक गुट दिल्ली पहुंचा। यह गुट राहुल गांधी और खड़गे से मिलने का प्रयास कर रहा है।

गौरतलब है कि कांग्रेस नेतृत्व ने बिहार चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों, भ्रामक बयानबाजी और संगठनात्मक निर्णयों की अवहेलना के लिए छह से ज्यादा नेताओं को छह वर्ष के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया है। बिहार महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने पहले ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

'एक कदम गांधी के साथ' यात्रा 1000 किमी चल के राजघाट पहुंची

नयी दिल्ली, 25 नवंबर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती दो अक्टूबर को वाराणसी से शुरू हुई ''एक कदम गांधी के साथ'' यात्रा मंगलवार को राजधानी दिल्ली पहुँच गयी।

सर्व सेवा संघ वाराणसी से यहां राजघाट तक एक हजार किलोमीटर लंबी इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में गांधीवादी शामिल हैं। इस पदयात्रा का उद्देश्य जनता को नफ़रत और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमलों के प्रति और शांति, न्याय, समानता तथा संवैधानिक मर्यादा के मूल्यों की रक्षा के लिए जागरूक करना है। पदयात्रा में नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी भी मंगलवार को दिल्ली में शामिल हुए। उन्होंने मोदी सरकार पर महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू तथा स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को कमजोर करने का आरोप लगाया। संविधान दिवस 26 नवंबर की पूर्व संध्या पर चौधरी ने पदयात्रियों के साथ भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया और संवैधानिक मूल्यों, एकता, सद्भाव और न्याय की रक्षा के प्रति संकल्प दोहराया।

अभिनेता सिद्धांत कपूर से एंटी नारकोटिक्स पुलिस ने पूछताछ की

उनसे 252 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ मामले में मुंबई पुलिस पूछताछ कर रही है

मुंबई, 25 नवंबर। मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने मंगलवार को अभिनेता सिद्धांत कपूर से 252 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ मामले में पूछताछ की।

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की बहन हसीना पारकर पर आधारित एक फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले सिद्धांत कपूर को तब समन भेजा गया जब कथित मादक पदार्थ आपूर्तिकर्ता मोहम्मद सलीम शेख उर्फ लवीश से पूछताछ के दौरान उनका नाम सामने आया। लवीश को हाल ही में दुबई से भारत प्रत्यर्पित किया गया था।

एक अधिकारी ने कहा, ''हमने सिद्धांत को समन भेजा था, जिसके बाद वह मंगलवार सुबह हमारे सामने पेश हुए। हमने उनसे पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया है। उन्हें इस शर्त पर घर जाने दिया गया है कि जरूरत पड़ने पर वह उपलब्ध रहेंगे।'' पुलिस ने शेख के बताये गये लोगों को समन भेजा है ताकि उसके दावों की पुष्टि की जा सके और यह पता चल सके कि उनका ड्रग नेटवर्क से कोई संबंध है या नहीं।

- पुलिस ने कहा है कि अभी केवल पूछताछ की जा रही है, कोई औपचारिक आरोप नहीं है।

मामले की जांच कर रहे अधिकारी ने बताया कि कपूर को पूछताछ और सत्यापन के लिए बुलाया था, और उनके खिलाफ अभी तक कोई औपचारिक आरोप नहीं है। सिद्धांत के अलावा, इस मामले में अभिनेत्री नोरा फतेही और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरहान अवत्रमणि, जिन्हें लोकप्रिय रूप से ओरी के नाम से जाना जाता है,सहित कई अन्य लोगों के नाम सामने आए थे।

पुलिस ने इससे पहले ओरी को समन भेजा था, लेकिन उनके वकील ने बताया था कि वह शहर से बाहर हैं। ओरी को अब बुधवार सुबह पुलिस के सामने अपना बयान दर्ज कराने के लिए पेश होना है।

मौसम विभाग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पड़ने की संभावना नहीं है। भारतीय मौसम विभाग के महानिदेशक एम. मोहापात्रा ने कहा, राख की परत ऊपरी स्तर पर है, इसका सतह पर असर सीमित रहेगा। आसमान थोड़ा धुंधला और बादलों से भरा दिखेगा और तापमान में हल्का इजाफा हो सकता है।

ज्वालामुखी की राख गुजरात और राजस्थान होते हुए दिल्ली-एनसीआर और पंजाब तक पहुंची और फिर आगे पूर्व दिशा में चीन की ओर बढ़ गई।

दिल्ली-एनसीआर के ए.क्यू.आई. पर इसका असर पड़े या न पड़े, लेकिन हवाई सेवाओं में बाधाएं जरूर आ सकती हैं। राख के बादल की दिशा को देखते हुए कुछ एयरलाइनों ने उड़ानों का समय बदल दिया है या उन्हें रद्द कर दिया है। खबर है कि इंडिगो ने छह उड़ानें रद्द की हैं।

'अगर एक भी मुसलमान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहा है। मुस्लिम वोटों पर उनकी पकड़ ढीली, बल्कि समाप्त होती दिखाई दे रही है, और इससे वे सत्ता से पक्के तौर पर बाहर हो जाएंगी।

तथापि, बंगाल में एस. आई. आर. का काम काफी आगे बढ़ चुका है और अब इसके रुकने की कोई सूरत नजर नहीं आ रही है। ममता बनर्जी इस स्थिति से बेचैन हैं और दबाव महसूस कर रही हैं।

उनके लिए अब हालात इतने खराब हैं कि वो कह रही हैं, ''मुझे बांग्लादेश से प्यार है।'' उन्हें यह एहसास ही नहीं है कि बांग्लादेश में उनके लिए कोई खास प्रेम नहीं है। बहुत से अवैध आप्रवासी, जो वर्षों से यहां रह रहे थे, डर गये हैं और बड़ी संख्या में बांग्लादेश लौटने लगे हैं।

अब ममता बनर्जी बंगाली भाषा के प्रति तथाकथित प्यार जताकर बंगाली भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रही हैं। वे कह रही हैं कि बांग्लादेश के प्रति उनका प्यार भाषा की समानता की वजह से है। वे भावनाओं का राजनीतिक उपयोग करने में माहिर हैं, लेकिन इस बार उनकी यह रणनीति कारगर होगी, इसकी संभावना कम ही है।

राज्य में हालात बहुत खराब हो चुके हैं और शासन की विफलता साफ दिखाई देती है। राज्य में बेरोजगारी चरम पर है और युवाओं को काम की तलाश में दूसरे राज्यों में जाना पड़ रहा है, भले ही उन्हें बहुत खराब हालात में बहुत कम पैसे मिलें।

राज्य के बड़े हिस्से की युवा आबादी सरकार द्वारा दी जाने वाली छोटी-मोटी आर्थिक सहायता पर निर्भर है, और वह भी अब कम होती जा रही है। महिलाओं को लक्ष्मी भंडार योजना के तहत लुभाया गया था, लेकिन कई बार यह लाभ बंद हो गया है और महिलाओं को हर महीने 500 रुपये जैसी छोटी राशि भी नहीं मिल पायी है।

शिक्षकों की नियुक्ति में हुए घोटालों ने बड़ी आबादी को उनसे दूर कर दिया है, और बुद्धिजीवी वर्ग भी उनसे नाराज़ हैं, क्योंकि वे एक सरकारी अस्पताल में एक युवा महिला डॉक्टर की हत्या के दोषियों को सजा से बचाने की साफ कोशिश करती दिख रही हैं।

लेकिन राज्य की समस्या यह है कि विपक्ष उनके राजनीतिक कौशल का मुकाबला नहीं कर पा रहा है। मुख्य विपक्षी दल भाजपा अपने संगठन को मजबूत बनाने में और मतदाताओं को अपने साथ लेने असफल रहा है। पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष के समय जो ढांचा बना था, वह भी अब बिखरता दिख रहा है। वर्तमान अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य समर्पित कार्यकर्ता हैं, लेकिन उनमें मजबूत जमीन तैयार करने की वह क्षमता नहीं दिख रही। वे अच्छी बातें करते हैं, लेकिन दफ्तर से बाहर नहीं निकलते, और लोगों का भरोसा बढ़ाने के लिए भविष्य में आने वाली भाजपा की ताकत का मैसेज फैला रहे हैं।

इसके अलावा, हैरानी की बात है कि भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व भी ममता के प्रति नरमी दिखा रहा है और ममता बनर्जी को, उनके कमजोर मौकों पर भी चुनौती देने में पीछे हट जाता है। कुल मिलाकर, राज्य और गहरे संकट में फंसता जा रहा है, शासन पूरी तरह कमजोर पड़ चुका है और मुख्यमंत्री खुली सांप्रदायिक राजनीति कर रही हैं।

'आईटी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने कर मामले में आरोप पत्र पेश किया है। जबकि पॉक्सो कानून के तहत जिन प्रकरणों में पॉक्सो के साथ ही आईटी एक्ट का अपराध होता है, तो उस मामले की जांच पुलिस निरीक्षक स्तर से निचले स्तर का अधिकारी नहीं कर सकता। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में डीजीपी को तलब कर इस संबंध में जवाब देने को कहा है।

भाजपा महाराष्ट्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी वाय विजयेन्द्र ने सोमवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष से मुलाकात कर राज्य की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान बढ़ने की स्थिति में भाजपा अपने लिए अवसर खोज रही है। बीजेपी के अंदरूनी सूत्रों ने जोर देकर कहा है कि पिछले कुछ महीनों में शिवकुमार ने कई बार अमित शाह सहित, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से अनौपचारिक मुलाकातें की हैं। हालांकि कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा यह इशारा दे रही है कि अगर शिव कुमार बगावत करते हैं तथा कांग्रेस विधायक दल को तोड़कर सरकार बनाने की कोशिश करते हैं तो भाजपा उन्हें बाहर से समर्थन दे सकती है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के करीबी एक नेता ने इस बात का खंडन किया कि खड़गे को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है, क्योंकि वे कर्नाटक के रहने वाले हैं तथा 35 साल तक राज्य में विधायक एवं मंत्री रहे हैं। 224 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा और उसके सहयोगियों के पास 82 सीटें हैं, जो बहुमत के आंकड़े से काफी कम हैं, तथा कांग्रेस के पास 142 सीटें हैं। इसके बावजूद, बताया जाता है कि भाजपा के रणनीतिकार कर्नाटक में महाराष्ट्र जैसे ऑपरेशन की संभावना देख रहे हैं, जिसके अन्तर्गत, 2022 में एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद, भाजपा ने टूटे हुए गुट को समर्थन देकर सरकार बनाई थी।

दूसरी ओर, कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सिद्धारमैया सरकार पूरी तरह स्थिर है। राहुल गांधी के करीबी एक वरिष्ठ सहयोगी ने कहा कि शिवकुमार को साफ बता दिया गया है कि उन्हें इंतजार करना होगा, क्योंकि केन्द्रीय नेतृत्व इस समय संसद के शीतकालीन सत्र की तैयारियों में व्यस्त है और इस मुद्दे पर अगले साल की शुरुआत में विचार किया जाएगा। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि आधिकारिक तौर पर इनकार करने के बावजूद, दोनों दल चुपचाप बड़े दांव की तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि कर्नाटक एक संवेदनशील राजनीतिक दौर में प्रवेश कर रहा है।

बयान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और अभियोजन पक्ष सहित, आरोपी के हितों के भी विपरीत है। ऐसे में मामलों की सुनवाई तेज गति से होनी चाहिए।

यूपीएससी के सौ साल पूरे होने का समारोह 26 से

नयी दिल्ली 25 नवंबर। केंद्र सरकार की प्रमुख संवैधानिक संस्था संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 26-27 नवंबर को दो दिवसीय शताब्दी सम्मेलन का आयोजन करेगी।

यूपीएससी के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे जबकि केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे।

- दो दिवसीय समारोह के मुख्य अतिथी लोकसभा अध्यक्ष होंगे।

सम्मेलन के तहत 26 नवंबर संविधान दिवस के अवसर पर चिंतन शीर्षक से एक विशेष सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें देश में लोक सेवा आयोगों की संवैधानिक विरासत और उनकी भूमिका पर विमर्श किया जाएगा।

बिहार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूसरा अनुपूरक बजट भी सदन में पेश करेगी।

राज्यपाल को उनके अभिभाषण के लिये धन्यवाद प्रस्ताव पर चार दिसंबर को चर्चा होगी और इसके बाद सरकार इसका उत्तर देगी।

इस बहस के बाद 5 दिसंबर को दूसरा अनुपूरक बजट पारित किया जायेगा और इसके साथ ही संबंधित विनियोग विधेयक को भी सदन की मंजूरी मिलेगी।

सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोई दिक्कत नहीं है।'' ''लेकिन, आपके धार्मिक अधिकारों की आपकी व्याख्या यह है कि, ''मैं गुरुद्वारे में फूल नहीं चढ़ाऊँगा या हवन नहीं करूँगा।'' हम समझते हैं कि यह आपके ईसाई धर्म के बारे में आपकी समझ हो सकती है। लेकिन ये जरूरी बातें नहीं हैं, जैसा कि पादरी या आपके धर्म के दूसरे सदस्यों ने बताया है।'' उन्होंने कहा, ''अनुच्छेद 25 के उल्लंघन को धर्म के आवश्यक तत्वों के आधार पर देखा जाना चाहिए, न कि हर व्यक्तिगत धार्मिक भावना के आधार पर, हम आपके धर्म के आवश्यक तत्वों का सम्मान करते हैं, लेकिन आपको भी अपने अधीनस्थ सैनिकों की सामूहिक आस्था का सम्मान करना होगा।''शंकर नारायनन ने कहा, ''मैं सिर्फ यह कह रहा हूं कि मुझे मंदिर या गुरुद्वारे में जाकर धार्मिक रस्में करने के लिए मजबूर न करें।'' न्यायमूर्ति बागची ने पूछा, ''ईसाई धर्म में कहां लिखा है कि आप किसी दूसरे धर्म के धार्मिक स्थल में प्रवेश नहीं कर सकते?'' वकील ने जवाब दिया, ''पहला आदेश यही कहता है।'' तथापि, न्यायमूर्ति बागची ने कहा, पहला आदेश सिर्फ यह कहता है कि आप एक ईश्वर में विश्वास करें। और हिन्दू धर्म में भी एक ईश्वर में विश्वास का सिद्धांत है।''

गलत कारावास पीड़ितों को क्या मुआवजा दिया जाये?

नयी दिल्ली, 25 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने गलत कारावास पीड़ितों को मुआवजा दिये जाने संबंधी अनुरोध को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर केन्द्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है ।इसमें गलत कारावास के कारण सलाखों के पीछे रहे लोगों को बरी किए जाने के बाद उनके लिए मुआवज़े और पुनर्वास की एक व्यापक राष्ट्रीय रूपरेखा बनाने की मांग की गयी है। जवाहरलाल शर्मा की ओर से दायर इस याचिका में एक विशेषज्ञ समिति के गठन की मांग की गयी है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों को संक्षेप में सुना।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908